संख्या-35/2017-292/नौ-5-17-183बजट/2014

प्रेषक,

उमा शंकर सिंह,
विशेष कार्याधिकारी,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,
उत्तर प्रदेश जल निगम,
लखनऊ ।

नगर विकास अनुभाग- 5

लखनऊ दिनांक 7 फरवरी, 2017

विषयः वित्तीय वर्ष 2016-2017 में राज्य सेक्टर के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद, स्वार जनपद रामपुर की पुनर्गठन पेयजल योजना के कार्यो हेतु तृतीय किश्त की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुख्य अभियन्ता, (नागर) उ0प्र0 जल निगम लखनऊ के पत्र संख्या-183/नागर-2/033-410/16, दिनांक 03.09.2016 के संदर्भ में तथा शासनादेश सं0-5156/नौ-5-2014-183बजट /2014, दिनांक 09.02.2015 के अनुक्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2016-2017 में राज्य सेक्टर के अन्तर्गत नगर पालिका परिषद, स्वार जनपद रामपुर की पुनर्गठन पेयजल योजना के कार्यो हेतु निर्धारित लागत रू0 1142.00 लाख के सापेक्ष पूर्व में अवमुक्त धनराशि रू0 114.00 लाख एवं शासनादेश सं0-107/2016-189/नौ-5-2016-183बजट/2014, दिनांक 28.04.2016 द्वारा अवमुक्त धनराशि रू0 500.00 लाख का व्यय होने के दृष्टिगत रू0 470.00 लाख (रू0 चार करोड़ सत्तर लाख मात्र) की धनराशि की धनराशि संलग्न बी0एम0 प्रपत्र-9 के अनुसार तृतीय किश्त के रूप में शासनादेश सं0-5156/नौ-5-2014-183बजट/2014, दिनांक 09.02.2015 द्वारा निर्धारित शर्तों तथा निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अवमुक्त किये जाने पर श्री राज्यवाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते है:-

(1) स्वीकृत धनराशि प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 जल निगम लखनऊ तथा सचिव/ विशेष कार्याधिकारी, नगर विकास विभाग के प्रतिहस्ताक्षरयुक्त बिल प्रस्तुत करके कोषागार/भारतीय स्टेट बैंक से आवश्यकतानुसार आहरित कर व्यय की जायेगी तथा आहरित धनराशि बैंक/डाकघर/पीएलए /डिपोजिट खाते में नही रखी जायेगी।

(2) स्वीकृत धनराशि का व्यवर्तन किसी भी दशा मे नही किया जायेगा।

(3) कार्य पूर्ण होने पर कार्य के सम्परीक्षित लेखे शासन को अवश्य उपलब्ध कराया जायेगा ।

(4) प्रश्नगत कार्य हेतु अवमुक्त धनराशि का आहरण कोषागार से सुसंगत नियमों/प्राविधानों के अनुसार किया जायेगा।

(5) स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्त पुस्तिका के सुसंगत प्रावधानों/समय-समय पर निर्गत शासनदेशो के अनुरूप किया जायेगा।

(6) प्रश्नगत धनराशि जिस कार्य मद में स्वीकृत की जा रही है, उसका व्यय प्रत्येक दशा मे उसी कार्य/मद में किया जाय। सामग्री/उपकरणों का क्रय वित्तीय नियमों के अनुसार किया जाय।

(7) कार्यो की द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो, इसकी पुष्टि कर ली जाय।

(8) निष्प्रयोज्य होने वाले उपकरणों/सामग्री से प्राप्त धनराशि राजकोष में जमा करना सुनिश्चित किया जाय।

(9) अवशेष 5 प्रतिशत की धनराशि को कार्य योजना के पूर्ण होने, कार्यगुणवत्ता के साथ कराये जाने की पुष्टि करने तथा उपयोगिता प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराये जाने पर अवमुक्त की जायेगी।

2- वित्त विभाग द्वारा निर्धारित विशिष्ट शर्तों का अनुपालन विभागों/उपक्रमों में तैनात वित्त नियंत्रक/मुख्य/वरिष्ठ/ लेखधिकारी अथवा सहायक लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो सुनिश्चित करेगे। यदि निर्धारित शर्तों का किसी प्रकार का विचलन हो तो संबंधित वित्त नियंत्रण् इत्यादि का दायित्व होगा कि उनके द्वारा मामले की सूचना पूर्ण विवरण सहित नगर विकास विभाग तथा वित्त विभाग को दे दी जाय।

3- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-2017 के आय- व्ययक के अनुदान संख्या-37 के अन्तर्गत आयोजनागत लेखाशीर्ष "2217-शहरी विकास -05-अन्य शहरी विकास योजनाये-192-नगर पालिकाओं/नगर पालिका परिषदों को सहायता-04-नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन-35-पूजीगत परिसम्पतियों के सृजन हेतु अनुदान" से आहरित कर लेखाशीर्ष "2215-जल पूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-06-पेयजल हेतु व्यवस्था-35-पूँजीगत परिसम्पतियों के सृजन हेतु अनुदान" के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अ0शा0 संख्या-1/2016/बी-1-746/दस-2016-231/2016 दिनांक 22.03.2016 द्वारा प्रशासकीय विभाग को प्रदत्त अधिकारों के अधीन निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय

(उमा शंकर सिंह)
विशेष कार्याधिकारी।

संख्या-35/2017-292/नौ-5-17-183बजट/2014

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:

1. महालेखाकार (वर्क्स लेखा अनुभाग), उत्तर प्रदेश इलाहाबाद।
2. जिलाधिकारी, लखनऊ/रामपुर ।
3. कोषाधिकारी, कलेक्टेट कम्पाउण्ड लखनऊ।
4. निदेशक, वित्तीय सांख्यकीय निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ।
5. निदेशक, सूचना एवं जनसंम्पर्क विभाग उ0प्र0 लखनऊ ।
6. मुख्य अभियंता,(मु0 क्षे0), उ0प्र0 जल निगम, मुरादाबाद।
7 अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, स्वार जनपद रामपुर।
8. वित्त (ई-8) अनुभाग/वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2/नियोजन अनुभाग-3/4
9 वरिष्ठ लेखाधिकारी/मुख्य सहायक लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो ।
10 गार्ड फाइल/कम्प्यूटर सेल ।

आज्ञा से,

(उमा शंकर सिंह)
विशेष कार्याधिकारी।

go finance mangal font

फार्म बी0एम0-9 (भाग-1)

पुनर्विनियोग की स्वीकृति के लिये आवेदन

अनुदान संख्या व नाम- अनुदान संख्या-37- नगर विकास विभाग, वित्तीय वर्ष 2016-17

(धनराशि हजार रू0 में)

निम्नलिखित निधियों से प्रस्तावित संक्रमण					वित्त विभाग द्वारा भरा जायेगा।
लेखाशीर्ष (15 डिजिट कोड में) आयोजनागत (राजस्व लेखा)	आवेदन पत्र देने के दिनांक पर उपलब्ध अनुदान/ विनियोग	आवदेन पत्र देने के दिनांक पर उपलब्ध बचत	संक्रमित की जाने वाली धनराशि	वित्त विभाग द्वारा संक्रमण हेतु अनुमोदित धनराशि	संक्रमण के पश्चात शेष अनुदान/ विनियोग (2-5)
1	2	3	4	5	6
"2217- शहरी विकास -05-अन्य शहरी विकास योजनाये-192-नगर पालिकाओं/नगर पालिका परिषदों को सहायता-04-नगरीय ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन-35-पूजीगत परिसम्पतियों के सृजन हेतु अनुदान"	900000	47000	47000	47000	853000
योग	900000	47000	47000	47000	853000

निम्नलिखित निधियों में प्रस्तावित संक्रमण					वित्त विभाग द्वारा भरा जायेगा।
लेखाशीर्ष (15 डिजिट कोड में) आयोजनागत (राजस्व लेखा)	वित्तीय वर्ष के लिये उपलब्ध अनुदान/ विनियोग	वित्तीय वर्ष में प्रत्याशित कुल व्यय	संक्रमण हेतु प्रस्तावित धनराशि (9-8)	वित्त विभाग द्वारा अनुमोदित संक्रमण की धनराशि	संक्रमण के पश्चात उपलब्ध अनुदान/ विनियोग (8+11)
7	8	9	10	11	12
"2215-जल पूर्ति तथा सफाई-01-जलपूर्ति-101-शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम-06-पेयजल हेतु व्यवस्था-35-पूँजीगत परिसम्पतियों के सृजन हेतु अनुदान "	100000	47000	47000	47000	147000
योग	100000	47000	47000	47000	147000

स्तम्भ-3 में उपलब्ध बचत का कारण निम्नानुसार है-:

(1) पेयजल कार्यक्रम के अन्तर्गत परिपक्व प्रस्ताव उपलब्ध न होने के कारण बचतें हो रही है।

(2) स्तम्भ 8-में उल्लिखित उपलब्ध अनुदान के सापेक्ष स्तम्भ 9-में अंकित अधिक व्यय निम्नलिखित कारणों से है -:

नागर निकायों के लिये पेयजल कार्य हेतु आवश्यक धनराशि उपलब्ध न होने के कारण परिपक्व प्रस्ताव के सापेक्ष अधिक धनराशि की आवश्यकता है।

(3) प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त पुनर्विनियोग में उ.प्र. बजट मैनुअल के प्रस्तर- 150 व 151 में निर्दिष्ट प्रतिबन्धों/परिसीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

आर0ई0संख्या- 420-ई-8-218 /दस-2017, दिनांक 06 फरवरी, 2017

सेवा में, महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम,
उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद।

(उमा शंकर सिंह)
विशेष कार्याधिकारी,
नगर विकास विभाग।

(सुभाष चन्द्र)
अनु सचिव,
वित्त विभाग।

संख्या-35 /2017-292 (1) /नौ-5-2017-183 बजट/2014 तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (वर्क्स लेखा अनुभाग), उत्तर प्रदेश इलाहाबाद।
2. जिलाधिकारी, लखनऊ/रामपुर ।
3. कोषाधिकारी, कलेक्टेट कम्पाउण्ड लखनऊ।
4. निदेशक, वित्तीय सांख्यकीय निदेशालय, जवाहर भवन, लखनऊ।
5. निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग उ0प्र0 लखनऊ ।
6. मुख्य अभियंता,(मु0 क्षे0), उ0प्र0 जल निगम, मुरादाबाद।
7. अध्यक्ष/अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका परिषद, स्थार जनपद रामपुर।
8. वित्त (ई-8) अनुभाग/वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2/नियोजन अनुभाग-3/4
9. वरिष्ठ लेखाधिकारी/ मुख्य सहायक लेखाधिकारी, जैसी भी स्थिति हो ।
10. गार्ड फाइल/कम्प्यूटर सेल ।

आज्ञा से,

(उमा शंकर सिंह)
विशेष कार्याधिकारी।

Allotment Grid Report

वित्तीय वर्ष:-2016-2017

आवंटन दिनांक-07/02/2017

प्रेषण संख्या:- 35

आवंटन आदेश संख्या:- 001-35-2017-292-9-5-17-183B-2014

अनुदान संख्या:- 37 नगर विकास विभाग(वित्तीय वर्ष 2016-2017 का आवंटन)

लेखाशीर्षक:- 2215 - जल पूर्ति तथा सफाई(आयोजनागत-मतदेय)

01 - जलपूर्ति

101 - शहरी जलपूर्ति कार्यक्रम

06 - पेयजल हेतु व्यवस्था

(धनराशि रु. में)

S.No.	अधिकारी/जनपद का नाम		35-पूँजीगत परिसम्पत्तियों के सृजन हेतु अनुदान	योग
1	लखनऊ कलेक्ट्रेट -6015-- , --01--	वर्तमान	47000000	47000000
		प्रगामी	147000000	147000000
	योग	वर्तमान	47000000	47000000
		प्रगामी	147000000	147000000

महायोग- (वर्तमान आवंटन):- रूपया चार करोड़ सत्तर लाख

महायोग- (प्रगामी आवंटन):- रूपया चौदह करोड़ सत्तर लाख

(उमा शंकर सिंह)

विशेष कार्याधिकारी